

## ग्रसाधारण EXTRAORDINARY

भाग II—জগ্ম 3—- उपलग्ম (i) PART II—Section 3—Sub-section (i)

# प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 36]

. **मई दिल्ली, मंगलक्षार, फरवरी 19, 1974/माघ 30, 189**5

No. 361

NEW DELHI, TUESDAY, FEBRUARY 19, 1974/MAGHA 30, 1895

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सकी। Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compliation

#### MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

#### NOTIFICATION

New Delhi, the 19th February 1974

G.S.R. 42(E)/IDRA/30/1/74.—The following draft of certain rules further to amend the Registration and Licensing of Industrial Undertakings Rules, 1952, which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by section 30 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), is hereby published as required by sub-section (1) of the said section for the information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration after 30 days from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

Any objections or suggestions which may be received from any persons with respect of the said draft before the period so specified will be considered by the Central Government.

#### DRAFT RULES

- 1. These Rules may be called the Registration and Licensing of Industrial Undertakings (Amendment) Rules, 1974.
- 2. In rule 7 of the Registration and Licensing of Industrial Undertakings Rules, 1952 (hereinafter referred to as the said rules),—
  - (1) sub-rules (2) and (2A) shall be omitted;
  - (ii) in sub-rule (3), the proviso shall be omitted.
- 3. Form D(I), Form D(II), Form E, Form E(I), Form E(II), Form EE, appended to the said rules shall be omitted.

[No. 13/1/LP-74]

S. K. SAHGAL, Jt. Secy

### ग्रीघोगिक विकास मंत्रालंय

## ग्रधिमूचना

नई दिल्ली, 19 फरवरी, 1974

सां का कि 42 (म्र). — आई० डी० म्रार० ए० |30|1/74 — मौद्योगिक उपक्रमों का रिजस्ट्रीकरण भीर भ्रनुकापन नियम, 1952 में भीर संगोधन करने के लिए कतिपय नियमों का निम्नलिखित प्रारूप, जिसे केन्द्रीय सरकार उद्योग (विकास भीर विनियमन) म्रिधिनयम, 1951 (1951 का 65) की धारा 30 द्वारा प्रदस गिक्तयों का प्रयोग करते हुए, बनाने की प्रस्थापना करती है उक्त धारा की उपधारा (1) द्वारा यथा भ्रपेक्षित उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है जिनका उससे प्रभावित होना सम्भाज्य है भीर यह सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर इस म्रिधिसूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 30 दिनों के पश्चात विचार किया जाएगा।

इस प्रकार विनिद्दिष्ट भवधि के पूर्व उक्त प्रारूप के बारे में किसी व्यक्ति से प्राप्त किन्ही भाक्षेपों भीर सुझावों पर केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किया जाएगा ।

### प्रारूप निपम

- इन नियमों का नाम श्रीद्योगिक उपक्रमों का रिजस्ट्रीकरण श्रीर श्रनुज्ञापन (संशोधन) नियम, 1974 है।
  - 2. श्रीबोगिक उपक्रमों का रजिस्ट्रीकरण श्रीर धनुज्ञापन नियम, 1952 (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त नियम कहा गया है) के नियम 7 में,---
    - (i) उपनियम (2) भ्रौर (2क) लुप्त कर दिए जाएंगे ;
    - (ii) उपनियम (3) में परन्तुक लुप्त कर दिया जाएगा ।
  - 3. उक्त नियम से उपाबद्ध प्ररूप घ (1), प्ररूप घ (2), प्ररूप ङ (1) प्ररूप ङ (2), प्ररूप ङ ङ लूप्त कर दिए जाएंगे।

[सं *o* 13/1/एल० पी०/74]

एस्० के० महगल, संयुक्त सचिव